

(ख) क्या उनको नियमित करने के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कोई परीक्षा आयोजित करने का विचार है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) सूचना एकत्रित की जा रही है और सदन के सभापटल पर रख दी जायेगी ।

(ख) जी, नहीं ।

Fertilizer Plant in Goa

2094. Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Yashpal Singh:
Shri Kandar Lal:
Shri F. C. Borosah:
Shri Himatsingka:
Shri Rameshwar Tanti:
Shri Sidheshwar Prasad:

Will the Minister of Petroleum and Chemicals be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an agreement has been signed with a private firm for the setting up of a fertilizer plant in Goa; and

(b) if so, the main features thereof?

The Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Shri Alagesan): (a) A letter of intent has been issued by Government to M/s. Birla Gwalior Private Ltd. for the setting up of a fertilizer plant in Goa with a capacity of 160,000 tonnes of nitrogen per annum.

(b) An agreement has been signed on 21-10-1965 between M/s. Birla Gwalior Private Ltd. and M/s. Armour and Company, USA for financial and technical collaboration in the establishment of the fertilizer factory. M/s. Armour and Company will subscribe equity capital to the extent of 3.88 million. They will make available to the Indian Company (1) the Engineering, manufacturing and marketing data; (2) skills needed to

design, construct and operate the plant as well as to market products; (3) their secret formula, when necessary, to produce compound fertilizers; and (4) the secret process and technology which they now use in the United States.

हिन्दी सहायकों के लिये पृथक संघ

2095. श्री विश्वाम प्रसाद : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संघ लोक सेवा आयोग ने जून, 1959 में हिन्दी सहायकों की भर्ती के लिये जो परीक्षा की थी उस समय अधिसूचना में यह उल्लेख था कि इन पदों को अभी निःसर्वग पद बनाया जा रहा है ;

(ख) क्या हिन्दी सहायकों के लिये घब को अलग सर्वग बनाया जा रहा है या इन पदों को किसी दूसरे सर्वग में मिलाया जायेगा ; और

(ग) उनकी पदोन्नति की क्या संभावनाएँ हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ल० ना मिश्र) : (क) जी, हाँ । अधिसूचना में यह उल्लेख था कि हिन्दी सहायकों के पद केन्द्रीय सचिवालय सेवा योजना से पृथक माने जायेंगे । ऐसा इस लिये किया गया था कि उम्मीदवारों के सामने, जो सब पहले ही केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के सदस्य थे, यह बात साफ कर दी जाय कि बाद में केन्द्रीय सचिवालय सेवा में ग्रेड IV (सहायक) में पदोन्नति होने पर उन्हें हिन्दी सहायकों के रूप में निर्वाचन/पदोन्नति के आधार पर कोई विशेष लाभ पाने का अधिकार नहीं होगा ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) अर्हता प्राप्त हिन्दी सहायकों को, सिवाय ऐसे मामलों के जहाँ जनहित के